लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 28.11.2017 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-5

कैंपस के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार बोले

जल नीति के कारण कृषि क्षेत्र बना सुदृढ़

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार।

एचएयू में संविधान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैंपस के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि व विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि रहे। बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब जल नीति के संस्थापक थे जिससे कारण ही कृषि क्षेत्र सुदृढ़ हो पाया है। यदि कृषि को प्राथमिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए एचएयू, पीएयू लुधियाना, जीबी पंत विवि, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक युग पुरुष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने संविधान की समानता पर बल देते हुए कहा महापुरुष और शिक्षाविद किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए ही पैदा होते हैं। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन और डॉ बीआर अम्बेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाले, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्सियत थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... अमर उजाला
दिनांक 28.11.2019 ...... पृष्ठ सं. 6 ...... कॉलम 3-5

आंबेडकर ने देश की विविधता को एकता में बदलने का काम किया : डॉ विजय

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट रहे, जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया।

हिसार। मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार।

हकृवि में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम संपन्न

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 28:11:2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 4-6

डा. अम्बेदकर जल नीति के संस्थापक थे, जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है : डा. विजय कायत

हकृवि में मनाया संविधान दिवस

हिसार, 27 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. भीम राव अम्बेदकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डा. विजय कुमार कायत मुख्यातिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर. कम्बोज विशिष्ट अतिथि थे, जबकि बेसिक साइंस कालेज के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डा. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डा. भीम राव अम्बेदकर अपने आप में एक संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को

मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ।

एकता में बदलने का कार्य किया। डा. अम्बेदकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया डा. अम्बेदकर 'जल नीति' के संस्थापक थे, जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राथमिकता न मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर. कम्बोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन और डा. बी. आर. अम्बेदकर चेयर के प्रभारी डा. राजवीर सिंह ने स्वागत भाषण में कहा, 'बाबा साहेब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्त्ता, सामाजिक न्यायकर्त्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाले और सभी के लिए समानता का भाव रखने वाली एक महान हस्ती थे।' इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी., डीन, डायरैक्टर, सम्पदा अधिकारी, अधिकारीगण, शिक्षक, गैर-शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....नभ छोर....
दिनांक 27.11.2019 .... पृष्ठ सं. 6 .... कॉलम 4-8

अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे : प्रो. कायत

हिसार/27 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम रॉव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि थे जबकि बेसिक साईंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीम रॉव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब 'जल नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राथमिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए हकृवि, पीएयू लुधियाना, जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक युग पुरूष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, रूढिवादिताओं और छुआछुत का घोर विरोध किया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है। उन्होंने बताया संविधानिक व्यवस्था में रिव्यू और लचीलापन बहुत महत्वपूर्ण योगदान रखता है। डॉ. अम्बेडर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भाखड़ा नंगल बांध की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है जिससे खेती के साथ साथ सिंचाई प्रणाली और मजबूत हो पाई है। उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान के लिए आदर्श बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया संविधान की समानता पर बल देते हुए बताया कि महापुरूष और शिक्षाविद्ध किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए अवतार के रूप में पैदा होते है। उन्होंने बताया कि समानता युक्त समाज की सख्त जरूरत है जिससे हर वर्ग का भला और विकास संभव हो सकता है और इसी विचाराधारा को निरंतर कायम करना ही बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। बेसिक साईंस कॉलेज के डीन और डॉ. बीआर अम्बेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाला, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्सियत थे। जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। नेहरू पुस्तकालय के अध्यक्ष एवं डॉ. बीआर. अम्बेडकर चेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 28:11:2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 6.7

डा. भीमराव आंबेडकर ने कृषि क्षेत्र को बनाया मजबूत : डा. विजय

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डा. भीमराव आंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें सिरसा स्थित चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्यअतिथि रहे। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि, जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यअतिथि डा. विजय कुमार ने कहा कि डा. भीमराव आंबेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। बाबा साहब 'जल नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नित्य शक्ति टाइम्स........
दिनांक 27.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 5-8

डा. अंबेडकर का देश के निर्माण व विकास में महत्वपूर्ण योगदान : डा. कायत

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

हिसार, 27 नवम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीमरॉव अंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि थे जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. भीमरॉव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब 'जल नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राथमिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता।

डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए हकृवि, पीएयू लुधियाना, जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक युग पुरूष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, रूढिवादिताओं और छुआछुत का घोर विरोध किया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है। उन्होंने बताया संविधानिक व्यवस्था में रिव्यू और लचीलापन बहुत महत्वपूर्ण योगदान रखता है। डॉ. अम्बेडर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भाखड़ा नंगल बांध की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है जिससे खेती के साथ साथ सिंचाई प्रणाली और मजबूत हो पाई है। उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान के लिए आदर्श बताया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया संविधान की समानता पर बल देते हुए बताया कि महापुरूष और शिक्षाविद्ध किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए अवतार के रूप में पैदा होते है। उन्होंने बताया कि समानता युक्त समाज की सख्त जरूरत है जिससे हर वर्ग का भला और विकास संभव हो सकता है और इसी विचाराधारा को निरंतर कायम करना ही बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

बेसिक साइंस कॉलेज के डीन और डॉ. बीआर अंबेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने स्वागत भाषण में कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक सांस्कृतिक बदलाव लाने वाला, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्सियत थे। जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। नेहरू पुस्तकालय के अध्यक्ष एवं डॉ. बी. आर. अम्बेडकर चेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, डीन, डायरेक्टर, संपदा अधिकारी, अधिकारीगण, शिक्षक, गैरशिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पाठक पक्ष........
दिनांक 27.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 6-8

अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे

हिसार, 27 नवम्बर (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम रॉव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज विशिष्ट अतिथि थे जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि डॉ. भीम रॉव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का

कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, डीन, डायरेक्टर, संपदा अधिकारी, अधिकारीगण, शिक्षक, गैरशिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....
दिनांक 27.11.2019..... पृष्ठ सं. 2..... कॉलम 1-5.....

एचएयू में जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि थे जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया।

हिसार। मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार।

डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए हकृवि, पीएयू लुधियाना, जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक युग पुरुष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, रूढ़िवादिताओं और छुआछूत का घोर विरोध किया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया संविधान की समानता पर बल देते हुए बताया कि महापुरुष और शिक्षाविद् किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए अवतार के रूप में पैदा होते है। उन्होंने बताया कि समानता युक्त समाज की सख्त जरूरत है जिससे हर वर्ग का भला और विकास संभव हो सकता है और इसी विचारधारा को निरंतर कायम करना ही बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

बेसिक साइंस कॉलेज के डीन और डॉ. बी आर अम्बेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्ता, सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाले, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्सियत थे। इस अवसर पर डॉ. बलवान सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 28:11:2017 पृष्ठ सं 17 कॉलम 1

एचएयू में बाबा साहेब पर दो दिन लगाई पुस्तक प्रदर्शनी

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और डा. भीमराव आंबेडकर से सम्बंधित पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी लगाने का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय के पाठकों को भारतीय संविधान एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित पुस्तकों और उनके बारे में लिखित पुस्तकों की जानकारी देना था। पुस्तकालय में आने वाले विद्यार्थियों व अन्य लोगों ने संविधान व बाबा साहेब से सम्बंधित पुस्तकों को पढ़ा और उनसे ज्ञान प्राप्त किया। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष डा. बलवान सिंह ने पुस्तकालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. सीमा परमार, डा. भानु प्रताप व डा. राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। (जासं)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, ट्रीब्यून
दिनांक 28.11.2019 पृष्ठ सं. 5, 11 कॉलम 7-8, 1

एचएयू में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और डॉ. बीआर अंबेडकर से संबंधित पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय के पाठकों के मध्य भारतीय संविधान एवं डॉ. भीम राव आंबेडकर द्वारा रचित पुस्तकों और उनके बारे में लिखित पुस्तकों की जानकारी प्रदान करना था। नेहरू पुस्तकालय में आने वाले विद्यार्थियों व अन्य लोगों ने संविधान व बाबा साहेब आंबेडकर से संबंधित पुस्तकों को पढ़ा और उनसे ज्ञान प्राप्त किया। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने पुस्तकालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सीमा परमार, डॉ. भानु प्रताप व डॉ. राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित थे।

हकृवि में लगी पुस्तक प्रदर्शनी में बढ़ाया ज्ञान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और डॉ. बी.आर. अंबेडकर से सम्बंधित पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस पुस्तक प्रदर्शनी को आयोजित करने का मुख्य उदेश्य पुस्तकालय के पाठकों के मध्य भारतीय संविधान एवं डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा रचित पुस्तकों और उनके बारे में लिखित पुस्तकों की जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर पुस्तकालयध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने पुस्कालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सीमा परमार, डॉ. भानु प्रताप व डॉ. राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित थे